लेखाशास्त्र

अध्याय-9: वित्तीय विवरणों का विश्लेषण

SHIVOM CLASSES 8696608541

वित्तीय विवरण विश्लेषण का अर्थ

किसी भी व्यवसाय द्वारा जो वित्तीय लेखे, विवरण तथा प्रतिवेदन प्रकाशित किये जाते है, उनका विश्लेषण ही वित्तीय विश्लेषण कहलाता है। प्रकाशित किये जाने वाले प्रलेखों मे स्थिति विवरण, लाभ-हानि खाता, संचालकों का प्रतिवेदन, अध्यक्ष का भाषण एवं अंकेक्षण के प्रतिवेदन को उसी रूप मे रहने दिया जाए जिस रूप मे वह तैयार किये गये थे तो उनसे कोई निष्कर्ष नही निकलेगा। इन लेखों तथा प्रतिवेदनों का विश्लेषण और निर्वाचन करके महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाले जा सकते है एवं यही वित्तीय विश्लेषण कहलाता है।

लाभ-हानि विवरण का स्वरूप
लाभ-हानि का विवरण
वर्ष समाप्ति .....

विवरण	नोट संख्या	वर्तमान रिपोर्ट अवधि की राशियां	पिछले रिपोर्टिंग अवधि की राशियां
I. परिचालन से आगम		.....	.....
II. अन्य आय		.....	.....
III. कुल आगम (I + II)		.....	.....
IV. व्यय			
उपभोग की गई सामग्री की लागत		.....	.....
व्यापारिक स्टॉक का क्रय		.....	.....
तैयार माल, प्रगति में कार्य, स्टॉक, व्यापारिक स्टॉक		.....	.....
कर्मचारियों को दी जाने वाली सुविधाओं पर व्यय		.....	.....
वित्तीय लागत		.....	.....
अवक्षयण एवं व्यय		.....	.....
अन्य व्यय		.....	.....
कुल व्यय		.....	.....
V. कर पूर्व लाभ (III - IV)		.....	.....
VI. घटा : कर		.....	.....
VII. अवधि का लाभ अथवा हानि (V - VI)		.....	.....

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वित्तीय विश्लेषण का क्षेत्र

1. लाभदायकता

इस बात की जानकारी प्राप्त करना कि व्यवसाय मे जितनी पूँजी लगी है, उस हिसाब से लाभ पर्याप्त मात्रा मे हो रहे है या नही। क्या पूंजी को अन्य स्थान मे पर लगाकर ज्यादा लाभ प्राप्त किये जा सकते है?

2. सुरक्षा तथा शीधन क्षमता

इस बात की जानकारी प्राप्त करना कि पूंजी तथा ऋण किस सीमा तक सुरक्षित है, कंपनी लेनदरों के ऋण चुकाने की स्थिति मे है या नही।

3. वित्तीय दृढ़ता

इस बात की जानकारी प्राप्त करना कि कंपनी वित्तीय दृष्टि से सुदृढ़ है, क्या संस्था वित्तीय स्थिति को मजबूत करने हेतु आंतरिक वित्त प्रबंध का सहारा लेगी, क्या कंपनी की भविष्य मे कोई विस्तार योजना है तथा इसके लिए वित्य प्रबंध का सहारा लेगी।

4. प्रवृत्ति

इस बात की जानकारी प्राप्त करना कि व्यवसाय के लाभ तथा विक्रय मे नीचे जाने की प्रवृत्ति है या ऊपर जाने की।

5. स्वामित्व अथवा प्रबंध क्षमता

इस बात की जानकारी प्राप्त करना कि व्यवसाय का प्रबंध किनके हाथ मे है, प्रबंधकों के हाथों मे व्यवसाय का भविष्य सुरक्षित है, संपत्तियों का प्रबंध किस तरह की पूंजी से किया जा रहा है, पूंजी की मात्रा आवश्यकता से कम है या ज्यादा।

वित्तीय विश्लेषण के उद्देश्य

1. प्रबंधक वर्ग

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

व्यवसाय का संचालन तथा नियंत्रण करने वाले प्रबंधक कहलाते है। प्रबंधक वर्ग वित्तीय विवरणों का विश्लेषण इस उद्देश्य से करते है ताकि ऐसी सूचनाएं प्राप्त की जा सकें जिससे व्यवसाय की कुशलता तथा लाभार्जन शक्ति का माप किया जा सके, विभिन्न विभागों की सफलता या असफलता का मूल्यांकन किया जा सके एवं इसी तरह के व्यवसायों अथवा उद्योगों से अपने व्यवसाय की तुलना की जा सके।

2. विनियोजक

विनियोजक की श्रेणी मे कंपनी के अंशधारी तथा दीर्घकालीन ऋणदाता आते है। अंशधारियों का कंपनी मे स्थायी हित होता है। इसका प्रमख उद्देश्य मूलधन की सुरक्षा एवं उस पर पर्याप्त आय प्राप्त करना है। ऋणपत्रधारी संस्था की दीर्घकालीन शोधन क्षमता के बारे मे पूर्ण जानकारी चाहते है। वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का उद्देश्य अंशधारियों द्वारा संस्था की लाभ अर्जन क्षमता की जानकारी प्राप्त करना, विनियोजक की आय तथा सुरक्षा की जानकारी प्राप्त करना एवं प्रबंधकों की कुशलता का माप करना होता है। ऋणपत्रधारी मूलधन एवं ब्याज देने की क्षमता की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से विश्लेषण करते है।

3. कर्मचारी

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण मे कर्मचारी इसलिए रूचि रखते है, ताकि संस्था की वित्तीय स्थिति तथा लाभअर्जन क्षमता की जानकारी प्राप्त कर सकें क्योंकि वेतन वृद्धि, बोनस पदोन्नति आदि प्रश्न इससे जुड़े रहते है।

4. बैंक तथा वित्तीय संस्थाएं

बैंक तथा वित्तीय संस्थाओं द्वारा विश्लेषण का उद्देश्य संस्था की वित्तीय सुदृढ़ता की जानकारी प्राप्त करना होता है, क्योंकि ये संस्थाएं बहुत कम ब्याज पर ऋण देती है तथा अपने ऋणों की सुरक्षा के प्रति काफी चिंतित रहती है।

5. सरकार

सरकार वित्तीय विवरणों के विश्लेषणों से व्यावसायिक संस्थाओं की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करती है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

6. अन्य वर्ग

ग्राहक, व्यावसायिक प्रतिद्वंदी, विक्रेता, वितरक, जनसाधारण, शोधकर्ता, पत्रकार, राजनीतिज्ञ आदि भी अपने-अपने उद्देश्यों हेतु वित्तीय विवरणों का विश्लेषण करते है।

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के प्रकार

विभिन्न पक्षकार विभिन्न उद्देश्यों के लिए विभिन्न आधारों पर वित्तीय विवरणों का विश्लेषण कर सकते है। कुल मिलाकर वित्तीय विवरण विश्लेषण के निम्न प्रकार हो सकते है--

(अ) विश्लेषण की प्रकृति एवं प्रयुक्त सामग्री के आधार पर

इस आधार पर वित्तीय विवरण विश्लेषण निम्न दो प्रकार का हो सकता है-

1. बाहरी विवरण

यह विश्लेषण उन व्यक्तियों या पक्षकारों द्वारा किया जाता है, जो उपक्रम से जुड़े नही होते अर्थात् जिनकी उपक्रम के विस्तृत रिकार्ड तक पहुंच नही होती। इसका विश्लेषण मुख्यतः प्रकाशित लेखों, संचालक रिपोर्ट तथा अंकेक्षण रिपोर्ट पर आधारित होता है। विनियोक्ता, स्ख एजेन्सियों, सरकार एजेन्सियों तथा शोधकर्ता इसी प्रकार का विश्लेषण करते है।

2. आन्तरिक विश्लेषण

यह विश्लेषण उन व्यक्तियों के द्वारा किया जाता है जिनकी उपक्रम की लेखा पुस्तकों तक पुहंच होती है। ये व्यक्ति संगठन/उपक्रम के सदस्य होते है। प्रबंध द्वारा उपक्रम की वित्तीय स्थिति तथा कार्यकुशलता के लिए किया जाने वाला विश्लेषण इसी वर्ग मे आता है।

सामान्यतः आन्तरिक विश्लेषण अधिक विस्तृत एवं विश्वसनीय होता है, क्योंकि इसमे विश्लेषक को सभी प्रकार की आवश्यक सूचनाएँ आसानी से उपलब्ध हो जाती है।

(ब) विश्लेषण के उद्देश्य के आधार पर

इस आधार पर भी वित्तीय विवरण विश्लेषण निम्न दो प्रकार का हो सकता है--

1. दीर्घकालीन विश्लेषण

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दीर्घकालीन वित्तीय नियोजन की दृष्टि से किया जाने वाला विश्लेषण दीर्घकालीन विश्लेषण कहलाता है। इसमे फर्म की दीर्घकालीन शोधनक्षमता, लाभदायकता तथा वित्तीय स्थायित्व से संबंध मे विश्लेषण किया जाता है।

2. अल्पकालीन विश्लेषण

इसके अंतर्गत अल्पकाल मे शोधनक्षमता, तरलता, स्थायित्व तथा लाभदायकता, इत्यादि की दृष्टि से विश्लेषण किया जाता है।

(स) कार्यविधि के आधार पर

कार्यविधि के आधार पर विश्लेषण के निम्न दो प्रकार होते है--

1. क्षैतिज या गतिशील विश्लेषण

यह विश्लेषण एक ही फर्म के विभिन्न वर्षों के विवरणों के आधार पर किया जाता है अतः इसे " काल माला विश्लेषण " या अंतर फर्म विश्लेषण भी कहते है। दीर्घकालीन प्रवृत्ति विश्लेषण एवं नियोजन की दृष्टि से यह विश्लेषण काफी उपयोगी होता है। तुलनात्मक वित्तीय विवरण, प्रवृत्ति विश्लेषण, कोष प्रवाह विश्लेषण, रोकड़ प्रवाह विश्लेषण, इत्यादि इस प्रकार के विश्लेषण के ही उदाहरण है।

2. लम्बवत या स्थिति विश्लेषण

इस विश्लेषण मे एक विशिष्ट वर्ष के वित्तीय विवरणों के आधार पर ही विश्लेषण किया जाता है। इस प्रकार का विश्लेषण एक निश्चित तिथि पर वित्तीय समंकों का विश्लेषण करता है। अतः इसे स्थिति विश्लेषण भी कहते है। इस विश्लेषण के आधार पर एक वर्ष मे एक उपक्रम के विभिन्न विभागों या विभिन्न उपक्रमों का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है। इस दृष्टि से इसे काॅस-सैक्शन विश्लेषण भी कहा जाता है।

वित्तीय विश्लेषण के लाभ या महत्व

1. प्रबंधक वर्ग को लाभ

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रकाशित लेखों के विश्लेषण का लाभ सर्वप्रथम उन व्यक्तियों के लिए है जो व्यवसाय का संचालन तथा नियंत्रण करते है। प्रबंधक विश्लेषण से ऐसे सूचनाएं प्राप्त करते है जिनसे व्यवसाय की कुशलता तथा लाभार्जन शक्ति का माफ किया जा सकता है एवं व्यवसाय के सुचारू संचालन के लिए विवेकपूर्ण निर्णय लिये जा सकते है।

2. ऋण प्राप्ति मे सुविधा

किसी भी कंपनी को ऋण तभी मिल सकता है जबकि ऋणदाता को कंपनी की आर्थिक स्थिति पर पूर्ण विश्वास हो जाए। वित्तीय विश्लेषण के द्वारा कंपनी की आर्थिक स्थिति की सही-सही जानकारी हो सकती है तथा इससे कंपनी को ऋण प्राप्त करने मे सुविधा होती है।

3. विभिन्न वर्षों के वित्तीय परिणामों की तुलना

वित्तीय विवरण के विश्लेषण के कारण विभिन्न वर्षों के लाभ, लागत व्यय एवं अन्य वित्तीय परिणामों की आसानी से तुलना की जा सकती है। इसके अलावा संस्था के विभिन्न विभागों की तुलनात्मक स्थिति की भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

4. वैज्ञानिक प्रबंध मे सुविधा

वित्तीय विश्लेषण मे हमे काफी उपयोगी सूचनाएं प्राप्त होती है, जिससे वैज्ञानिक प्रबंध मे काफी सुविधा होती है।

5. क्रय, विक्रय तथा व्यय के पूर्वानुमान लगाने मे सहायक

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से जो पिछले वर्षों के क्रय-विक्रय तथा व्यय के आंकड़े प्राप्त होते है, उनके आधार पर क्रय-विक्रय और व्यय के संबंध मे भावी पूर्वानुमान आसानी से लगाये जा सकते है।

6. अपव्ययों पर नियंत्रण

वित्तीय विश्लेषण से इस बात की भी जानकारी हो जाती है कि हमारे लाभ तथा लागत व्यय बढ़ रहे है या घट रहे है। लागत व्यय के बढ़ने की स्थिति अपव्ययों को रोकने के संबंध मे सोचा जा सकता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

7. स्कंध विपणि

जिन कंपनियों के अंशो का क्रय-विक्रय स्कन्ध विपणि के माध्यम से होता है, वे अपने प्रकाशित लेखे स्कंध विपणि को भेजती है जहां उनका विश्लेषण किया जाता है तथा अन्य सदस्यों को निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराये जाते है। इस तरह इन संस्थाओं की वित्तीय तथा कार्यात्मक गतिविधियों का ज्ञान सर्वसाधारण को होता रहता है।

8. बैंक तथा वित्तीय संस्थाएं

बैंक तथा वित्तीय संस्थाएं भी प्रकाशित लेखा के विश्लेषण द्वारा संस्था की ऋण भुगतान क्षमता की जानकारी प्राप्त करते है।

9. व्यापारिक लेनदार

व्यापारिक लेनदारों का संबंध अल्पकाल हेतु होता है जिनका भुगतान अल्पकाल मे करना होता है। ये व्यक्ति कंपनी की तरलता एवं अल्पकालीन दायित्वों का भुगतान करने की क्षमता के बारे मे जानकारी चाहते है जो वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से प्राप्त होती है।

वित्तीय विश्लेषण की सीमाएं

1. वित्तीय विवरणों की ऐतिहासिक प्रकृति

वित्तीय विवरणों की मूल प्रकृति यह है कि यह बीती हुई अवधि के होते है। यह विवरण भविष्य के लिए संकेत तो बन सकते है, लेकिन यह नही कहा जा सकता कि आधार पर किए गए पूर्वानुमान शत-प्रतिशत सही होगें।

2. विश्लेषण रीतियों की सीमाएं

वित्तीय विवरणों की विश्लेषण की अनेक विधियां है। किस परिस्थिति मे कौन-सी विधि प्रयोग की जाए, यह विश्लेषणकर्ता के अनुभव एवं योग्यता पर निर्भर करती है। यदि इनके चुनाव मे गलती हो जाए तो निष्कर्ष भ्रमपूर्ण हो सकते है।

3. विशेषज्ञ ज्ञान की आवश्यकता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वित्तीय विश्लेषण मे विधियों के प्रयोग करने तथा उनसे उचित निष्कर्ष निकालने के लिए विशेषज्ञ ज्ञान की आवश्यकता होती है। विशेषज्ञ ज्ञान के अभाव मे अनुपयुक्त रीतियों का प्रयोग हो सकता है तथा दोषपूर्ण निष्कर्ष निकाले जा सकते है।

4. समंको की विश्वसनीयता

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की विश्वसनीयता उन विवरणों के समंको की विश्वसनीयता पर निर्भर करती है। यदि आय विवरण के समंको मे हेराफेरी की गयी है अथवा चिट्ठे के समंकों मे संपत्तियों के मूल्यांकन इत्यादि मे उचित नीतियों को नही अपनाया गया है तो विश्लेषण की विश्वसनीयता भि प्रभावित होगी।

5. विभिन्न निर्वाचन

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से प्राप्त परिणामों का विभिन्न प्रयोगकर्ता विभिन्न प्रकार से निर्वचन कर सकता है। उदाहरण के लिए चालू अनुपात का अधिक होना माल आपूर्तिकर्ता या बैंकर इत्यादि के लिए अच्छा हो सकता है, लेकिन प्रबन्धकीय कुशलता से इस बात का प्रतीत हो सकता है कि कोषों का समुचित प्रयोग नही किया जा रहा या स्टॉक की मात्रा अनावश्यक रूप से अधिक है या देनदारों से वसूली कुशलता से नही हो रही।

6. लेखांकन विधियों मे परिवर्तन

यदि विभिन्न वर्षों मे लेखांकन विधियों (स्टॉक का मूल्यांकन, ह्रास की विधि इत्यादि) मे परिवर्तन होता है तो समंकों की तुलनीयता मे कमी आ जाती है और निष्कर्ष मर्यादित हो जाते है।

7. विभिन्न फर्मों से तुलना की सीमाएं

विभिन्न फर्मों के वित्तीय विवरणों की तुलना से उसी समय उचित निष्कर्ष निकल सकते है, जबकि फर्मों की कार्य प्रकृति, संगठन संरचना एवं लेखांकन पद्धति समान हो अन्यथा विश्वसनीय तुलना नही हो सकती।

8. मूल्य परिवर्तनों का प्रभाव

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

यदि मूल्य परिवर्तनों के प्रभावों को उचित रूप से समायोजित नही किया जाता तो वित्तीय विवरण के विश्लेषण भ्रमपूर्ण निष्कर्ष दे सकते है उदाहरण के लिए, सन् 2003 मे बिक्री 2,00,000 रुपये की थी जो सन् 2004 मे 2,40,00 रूपये हो गयी तो निष्कर्ष निकल सकता है कि बिक्री मे 20% की वृद्धि हो गयी है, लेकिन यदि विक्रय की जाने वस्तुओं के मूल्यों मे 25% की वृद्धि हो गयी हो तो 2,40,000 रूपये की बीक्री 2003 के मूल्यों के आधार पर 1,92,000 रुपये की बिक्री ही रह जायेगी।

कम्पनी का नाम .....

..... को स्थिति विवरण

विवरण	नोट संख्या	वर्तमान रिपोर्ट अवधि के अंत में संख्याएं	पिछले रिपोर्टिंग अवधि के अंत में संख्याएं
I. समता एवं देयताएं			
1. अंशधारक कोष			
(क) अंश पूँजी			
(ख) संचय एवं अधिक्य			
(ग) शेयर वारंट से प्राप्त राशि			
2. अंश आवेदन राशि आवंटन			
3. गैर चालू देयताएं			
(क) दीर्घकालिक ऋण			
(ख) स्थगित कर देनदारी (शुद्ध)			
(ग) अन्य दीर्घ अवधि देयताएं			
(घ) दीर्घ अवधि प्रावधान			
4. चालू देयताएं			
(क) अल्प अवधि ऋण			
(ख) व्यापार देयताएं			
(ग) अन्य चालू देयताएं			
(घ) अल्प अवधि प्रावधान			
कुल योग			
II. परिसम्पत्तियां			
1. गैर चालू सम्पत्तियां			
(क) स्थाई सम्पत्तियां			
(i) मूर्त सम्पतियां			
(ii) अमूर्त समत्तियां			
(iii) कार्य प्रगति पर पूँजी			
(iv) विकासाधीन अमूर्त सम्पत्तियां			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(ख) गैर चालू निवेश			
(ग) स्थगित कर सम्पत्तियां (शुद्ध)			
(घ) दीर्घ अवधि ऋण एवं अग्रिम			
(ङ) अन्य गैर चालू परिसम्पत्तियां			
2. चालू सम्पत्तियां			
(क) चालू निवेश			
(ख) माल			
(ग) व्यापार प्राप्यताएँ			
(घ) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य			
(ङ) लघु अवधि ऋण एवं अग्रिम			
(च) अन्य चालू सम्पत्तियां			
कुल योग			

तुलनात्मक स्थिति विवरण का प्रारूप

तुलनात्मक स्थिति विवरण

..... को

विवरण	*नोट संख्या*	*पिछला वर्ष (क)*	*वर्तमान वर्ष (ख)*	*सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी ग = ख – क*	*% परिवर्तन वृद्धि/घटी घ = ग/क x 100*
I. समता एवं देयताएं					
1. अंशधारक कोष					
(क) अंश पूँजी					
(i) समता अंश पूँजी					
(ii) पूर्वाधिकार अंश पूँजी					
(ख) संचय एवं अधिक्य					
2. गैर चालू देयताएँ					
(i) दीर्घकालिक ऋण					
(ii) दीर्घकालिक प्रावधान					
3. चालू देयताएं					
(i) अल्पकालिक ऋण					
(ii) व्यापारिक देयताएं					
(iii) अन्य चालू देयताएं					
(iv) अल्पकालिक प्रावधान					

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कुल योग				
II. सम्पत्तियां				
1. गैर चालू सम्पत्तियां				
(क) स्थाई सम्पत्तियां				
(i) वास्तविक				
(ii) अवास्तविक				
(ख) गैर चालू निवेश				
(ग) दीर्घ अवधि ऋण एवं अग्रिम				
2. चालू सम्पत्तियां				
(क) चालू निवेश				
(ख) रहतिया				
(ग) व्यापार प्राप्ताएं				
(घ) रोकड एवं रोकड़ सभ्य				
(ङ) अल्प कालिक ऋण एवं अग्रिम				
(च) अन्य चालू सम्पत्तियां				
कुल योग				

SHIVOM CLASSES 8696608541

Example:

एक्स लि. के 31 मार्च 2014 एवं 2013 के नीचे दिए गए स्थिति विवरण से तुलनात्मक स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

स्थिति विवरण

31 मार्च 2014 एवं 31 मार्च 2013 को

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2014*	*31 मार्च 2013*
I. समता एवं देयताएं			
i. अंशधारक कोष			
1. अंश पूंजी समता		18,00,000	12,00,000
2. गैर चालू देयताएं			
दीर्घकालिक ऋण 8% ऋण			
पत्र (सुरक्षित)		6,00,000	6,00,000
3. चालू देयताएं			
व्यापार देयताएं		6,00,000	3,00,000
		30,00,000	21,00,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

II. सम्पत्तियां			
1. गैर चालू सम्पत्तियां			
स्थाई सम्पत्तियां : मूर्त सम्पत्तियां		18,00,000	15,00,000
2. चालू सम्पत्तियां			
(क) व्यापार प्राप्ताएं		10,00,000	5,00,000
(ख) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		2,00,000	1,00,000
		30,00,000	21,00,000

Solution:

एक्स लि.
तुलनात्मक स्थिति विवरण
31 मार्च 2013 एवं 2014 को

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2013 (क)*	*31 मार्च 2014 (ख)*	*सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी ग = ख − क*	*% परिवर्तन वृद्धि/घटी घ = ग/क X 100*
I. समता एवं देयताएं					
i. अंशधारक कोष					
1. अंश पूँजी समता		12,00,000	18,00,000	6,00,000	50%
2. गैर चालू देयताएँ					
दीर्घकालिक ऋण :					
8% ऋण पत्र (सुरक्षित)		6,00,000	6,00,000		
3. चालू देयताएँ					
व्यापार देयताएँ		3,00,000	6,00,000	3,00,000	100%
कुल योग		**21,00,000**	**30,00,000**	**9,00,000**	**42.86%**
II. सम्पत्तियाँ					
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ					
स्थाई सम्पत्तियाँ					
मूर्त सम्पत्तियाँ		15,00,000	18,00,000	3,00,000	20%
2. चालू सम्पत्तियाँ					
(क) व्यापार सम्पत्तियाँ		5,00,000	10,00,000	5,00,000	100%
(ख) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		1,00,000	2,00,000	1,00,000	100%
कुल योग		**21,00,000**	**30,00,000**	**9,00,000**	**42.86%**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तुलनात्मक लाभ-हानि विवरण का प्रारूप

तुलनात्मक लाभ-हानि विवरण

31 मार्च 2013 एवं 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2013*	*31 मार्च 2014*	*सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी*	*% परिवर्तन वृद्धि/घटी*
I. परिचालन से आय					
II. अन्य आय					
III. कुल आय (I + II)					
IV. व्यय					
(क) उपयोग किए माल की लागत					
(ख) रहतिया का क्रय					
(ग) तैयार ताल, प्रगति के माल एवं माल के स्टॉक में परिवर्तन					
(घ) कर्मचारी लाभ व्यय					
(ङ) वित्तीय लागत					
(च) अवक्षयण एवं व्यय					
(छ) अन्य व्यय					
कुल योग					
V. कर पूर्व लाभ (III-IV)					
VI. घटा : कर					
VII. कर बाद लाभ					

SHIVOM CLASSES 8696608541

Example:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

निम्न से तुलनात्मक लाभ–हानि विवरण बनाइए–

विवरण	*नोट सं.*	*31 मार्च 2012 (₹)*	*31 मार्च 2011 (₹)*
परिचालन से आय		15,00,000	10,00,000
व्यय		10,50,000	6,00,000
अन्य आय		1,80,000	2,00,000

Solution:

तुलनात्मक लाभ-हानि विवरण
31 मार्च 2013 एवं 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2013*	*31 मार्च 2014*	*सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी*	*% परिवर्तन वृद्धि/घटी*
I. परिचालन से आय		10,00,000	15,00,000	5,00,000	50%
II. अन्य आय		2,00,000	1,80,000	(20,000)	(10%)
III. कुल आय (I + II)		12,00,000	16,80,000	4,80,000	40%
IV. *घटा :* व्यय		6,00,000	10,50,000	4,50,000	75%
V. कर पूर्व लाभ (III + IV)		6,00,000	6,30,000	30,000	5%

Example:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

स्टार लि. के नीचे दिए लाभ–हानि विवरण, 31 मार्च 2011 एवं 2012 को समाप्त वर्षों के तुलनात्मक लाभ–हानि विवरण तैयार कीजिए।

	31 मार्च 2012 (₹)	31 मार्च 2013 (₹)
परिचालन से आय	20,00,000	16,00,000
कर्मचारी लाभ व्यय	10,00,000	8,00,000
अन्य व्यय	1,00,000	2,00,000

Solution:

लाभ-हानि का तुलनात्मक विवरण
वर्ष समाप्त 31 मार्च 2011 एवं 2012

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2012	31 मार्च 2013	सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी	% परिवर्तन वृद्धि/घटी
I. परिचालन से आय		16,00,000	20,00,000	4,00,000	25%
II. घटा में व्यय					
(क) कर्मचारी लाभ व्यय		8,00,000	10,00,000	2,00,000	25%
(ख) अन्य व्यय		2,00,000	1,00,000	(1,00,000)	(5%)
III. कुल व्यय		10,00,000	11,00,000	1,00,000	10%
IV. कर पूर्व लाभ (I - III)		6,00,000	9,00,000	3,00,000	50%

Example

नीचे गोल्ड स्टार लि. के लाभ–हानि विवरण से वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2014 एवं 2013 के लिए सूचना दी गई है –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण	नोट सं.	31 मार्च 2014 (₹)	31 मार्च 2013 (₹)
परिचालन से आय		40,00,000	32,00,000
कर्मचारी लाभ व्यय		20,00,000	16,00,000
अवक्षयण एवं व्यय		50,000	40,000
अन्य व्यय		1,50,000	3,60,000
कर दर 30%			

Solution:

लाभ-हानि तुलनात्मक विवरण
वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2013 एवं 2014

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2013	31 मार्च 2014	सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी	% परिवर्तन वृद्धि/घटी
I. परिचालन से आय		32,00,000	40,00,000	8,00,000	25%
II. व्यय					
(क) कर्मचारी लाभ व्यय		16,00,000	20,00,000	4,00,000	25%
(ख) अवक्षयण एवं व्यय		40,000	50,000	10,000	25%
(ग) अन्य व्यय		3,60,000	1,50,000	(2,10,000)	(58.33)
कुल व्यय		**20,00,000**	**22,00,000**	**2,00,000**	**10%**
III. कर पूर्व लाभ (I - II)		**12,00,000**	**18,00,000**	**6,00,000**	**50%**
घटा : कर 30%		3,60,000	5,40,000	1,80,000	50%
IV. कर पश्चात लाभ		**8,40,000**	**12,60,000**	**4,20,000**	**50%**

Example:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

निम्न से तुलनात्मक लाभ–हानि विवरण बनाइए।

विवरण	नोट सं.	31 मार्च 2014 (₹)	31 मार्च 2013 (₹)
परिचालन से आय		8,00,000	4,20,000
व्यापारिक स्कंध का क्रय		4,50,000	2,50,000
व्यापारिक स्कंध में परिवर्तन		50,000	50,000
अन्य व्यय (विक्रय माल की लागत का प्रतिशत)		8%	10%
कर		30%	30%

Solution:

तुलनात्मक लाभ-हानि विवरण

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2013	31 मार्च 2014	सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी	% परिवर्तन वृद्धि/घटी
I. परिचालन से आय (विक्रय)		4,20,000	8,00,000	3,80,000	90.47
II. व्यय					
(क) व्यापारिक स्कंध का क्रय		2,50,000	4,50,000	2,00,000	80.00
(ख) व्यापारिक स्कंध में परिवर्तन		50,000	50,000	--	--
(ग) अन्य व्यय		30,000	40,000	10,000	33.33
कुल व्यय		3,30,000	5,40,000	2,10,000	63.64
III. कर पूर्व लाभ (I - II)		90,000	2,60,000	1,70,000	188.89
घटा : कर		27,000	78,000	51,000	188.89
IV. कर पश्चात लाभ		63,000	1,82,000	1,19,000	188.89

नोट : विक्रय माल की लागत = क्रय + स्कंध में परिवर्तन

समान आकार स्थिति विवरण का प्रारूप

समान आकार स्थिति विवरण

31 मार्च 2014 को

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण	नोट सं.	सम्पूर्ण राशि		स्थिति विवरण के आगे का प्रतिशत	
		31 मार्च, 2013 (₹)	31 मार्च, 2014 (₹)	31 मार्च, 2013 (%)	31 मार्च, 2014 (%)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
I. समता एवं देयताएं					
1. अंशधारक कोष					
(क) *अंश पूँजी*					
(i) समता अंश पूँजी		....	....	....	....
(ii) पूर्वाधिकार अंश पूँजी		....	....	....	....
(ख) संचय एवं आधिक्य		....	....	....	....
2. गैर चालू देयताएँ					
(क) दीर्घकालिक ऋण		....	....	....	....
(ख) दीर्घकालिक प्रावधान		....	....	....	....
3. चालू देयताएँ					
(क) अल्पकालिक ऋण		....	....	....	....
(ख) व्यापारिक देयताएँ		....	....	....	....
(ग) अन्य चालू देयताएँ		....	....	....	....
(घ) अल्पकालिक प्रावधान		....	....	....	....
कुल योग		....	....	100	100

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

II. सम्पत्तियाँ					
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ					
(क) *स्थाई सम्पत्तियाँ*					
(i) मूर्त सम्पत्तियाँ		....	....	....	....
(ii) अमूर्त सम्पत्तियाँ		....	....	....	....
(ख) गैर चालू निवेश		....	....	....	....
(ग) दीर्घकालिक ऋण व अग्रिम		....	....	....	....
2. चालू सम्पत्तियाँ					
(क) चालू निवेश		....	....	....	....
(ख) रहतिया		....	....	....	....
(ग) व्यापार प्राप्ताएँ		....	....	....	....
(घ) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		....	....	....	....
(ङ) अल्पकालिक ऋण एवं अग्रिम		....	....	....	....
(च) अन्य चालू सम्पत्तियाँ		....	....	....	....
कुल योग		....	....	100	100

Example:

XYZ लि. के 31 मार्च 2014 एवं 2013 के नीचे दिए गए स्थिति विवरण से समान आकार का स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

स्थिति विवरण

31 मार्च 2014 एवं 2013

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण	नोट सं.	31 मार्च, 2014 (₹)	31 मार्च, 2013 (₹)
I. समता एवं देयताएं			
1. अंशधारक कोष			
(a) अंश पूँजी		10,00,000	5,00,000
(b) संचय एवं आधिक्य		2,00,000	3,00,000
2. गैर चालू देयताएँ			
दीर्घकालिक ऋण		8,00,000	5,00,000
3. चालू देयताएँ			
व्यापारिक देयताएँ		4,00,000	2,00,000
कुल योग		**24,00,000**	**15,00,000**
II. सम्पत्तियाँ			
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ			
स्थाई सम्पत्ति : मूर्त सम्पत्तियाँ		15,00,000	10,00,000
2. चालू सम्पत्तियाँ			
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		9,00,000	5,00,000
कुल योग		**24,00,000**	**15,00,000**

Solution:

XYZ लि. का समानाकार स्थिति विवरण
31 मार्च, 2013 एवं 2014 को

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण	नोट सं.	परिवर्तन राशि		स्थिति विवरण के योग का प्रतिशत	
		31 मार्च 2013 (₹)	31 मार्च 2014 (₹)	31 मार्च 2013 (%)	31 मार्च 2014 (%)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
I. समता एवं देयताएँ					
1. अंशधारक कोष					
(a) अंश पूँजी		5,00,000	10,00,000	33.33	41.67
(b) संचय एवं आधिक्य		3,00,000	2,00,000	20.00	8.33
2. गैर चालू देयताएँ					
दीर्घकालिक ऋण		5,00,000	8,00,000	33.34	33.33
3. चालू देयताएँ					
व्यापारिक देयताएँ		2,00,000	4,00,000	13.33	16.67
कुल योग		15,00,000	24,00,000	100.00	100.00
II. सम्पत्तियाँ					
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ					
स्थाई सम्पत्ति : मूर्त सम्पत्तियाँ		10,00,000	15,00,000	66.67	62.50
2. चालू सम्पत्तियाँ					
रोकड़ एवं रोकड़ तुलय		5,00,000	9,00,000	33.33	37.50
कुल योग		**15,00,000**	**24,00,000**	**100.00**	**100.00**

नोट : प्रतिशत की गणना समता एवं देयताओं/कुल सम्पत्तियों के योग के आधार पर

$$\text{अंश पूँजी प्रतिशत में (31 मार्च 2013)} = \frac{5,00,000}{15,00,000} \times 100 = 33.33\%$$

इसी प्रकार अन्य प्रतिशत की गणना की जाएगी।

सामान आकार आय विवरण

आय विवरण की मदों का विक्रय के प्रतिशत के रूप में विक्रय की प्रत्येक मद से सम्बंध।

समान आकार लाभ-हानि का प्रारूप
(आय विवरण)

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण	नोट सं.	परिवर्तन राशि		परिचालन से आय का प्रतिशत (शुद्ध विक्रय)	
		2013 (₹)	2014 (₹)	2013 (%)	2014 (%)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
I. परिचालन से आय (शुद्ध विक्रय)		....	....	....	....
II. अन्य आय		....	....	....	....
III. **कुल आय (I + II)**		....	....	....	....
IV. **व्यय**					
(i) उपभोग्य समाग्री की लागत		....	....	....	....
(ii) व्यापारिक रहतियो का क्रय		....	....	....	....
(iii) रहतिये में परिवर्तन : तैयार माल कार्य प्रगति पर एवं व्यापारिक रहतियाँ		....	....	....	....
(iv) कर्मचारी लाभ व्यय		....	....	....	....
(v) वित्त की लागत		....	....	....	....
(vi) अवक्षय एवं व्यय		....	....	....	....
(vii) अन्य व्यय		....	....	....	....
कुल व्यय		....	....	....	....
V. **कर पूर्व लाभ (III - IV)**		....	....	....	....
VI. *घटा : आय कर*		....	....	....	....
VII. **कर के पश्चात लाभ (V - VI)**		....	....	....	....

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 194 - 198)

लघु उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 वित्तीय विवरण विश्लेषण की तकनीकों का संक्षेप में वर्णन करें।

उत्तर – वित्तीय विवरण विश्लेषण की आमतौर पर उपयोग की जाने वाली प्रमुख तकनीकें निम्नलिखित हैं:

- तुलनात्मक विवरण
- समरूप/सामान्य आकार वितरण
- प्रवृत्ति विश्लेषण
- अनुपात विश्लेषण
- रोकड़ प्रवाह विश्लेषण।

प्रश्न 2 वित्तीय आँकड़ों के लम्बवत् एवं क्षैतिज विश्लेषण के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – वित्तीय आँकड़ों के लम्बवत् एवं क्षैतिज विश्लेषण के बीच अन्तर:

(1) **लम्बवत् अथवाशीर्ष विश्लेषण (Vertical Analysis):** इस प्रकार के वित्तीय विश्लेषण में केवल एक वर्ष के अथवा एक विशेष तिथि के वित्तीय विवरणों का पुनरावलोकन तथा विश्लेषण किया जाता है।इसमें केवल एक अवधि के तुलन-पत्र अथवा लाभ-हानि विवरण में दी गई विभिन्न मदों के बीच आपस में संख्यात्मक सम्बन्ध स्थापित किया जाता है।वित्तीय विवरण में दी गई मदों के कुल जोड़ को 100 मान लिया जाता है और विभिन्न मदों को इस जोड़ के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है।इस प्रकार का विश्लेषण जिस विवरण में होता है उसे समान आकार के विवरण (Common Size Statements) कहा जाता है।

लम्बवत् विश्लेषण एक ही समूह की विभिन्न कम्पनियों अथवा एक ही कम्पनी के विभिन्न विभागों के कार्य निष्पादन की तुलना के लिए उपयोगी है।यह विश्लेषण कम्पनी की वित्तीय स्थिति के उचित

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विश्लेषण के लिए अधिक उपयोगी नहीं है, क्योंकि यह केवल एक ही अवधि के आँकड़ों पर आधारित होता है, जबकि व्यवसाय एक गतिशील प्रक्रिया है।

(2) क्षैतिज विश्लेषण (Horizontal Analysis): इस प्रकार के वित्तीय विश्लेषण में दो अथवा अधिक वर्षों के आँकड़े होते हैं और तुलना करने में सुविधा के लिए इन आँकड़ों को साथ-साथ लिखा जाता है।ऐसा विश्लेषण इन आँकड़ों में न केवल निरपेक्ष (absolute) वृद्धि अथवा कमी को सूचित करता है बल्कि इसे प्रतिशत रूप में भी प्रकट करता है।

अतः ऐसा विश्लेषण एक संस्था की; विभिन्न वर्षों की, एक-दूसरे से सम्बन्धित मदों के मध्य तुलना और आपसी सम्बन्ध को प्रकट करता है।

प्रश्न 3 विश्लेषण (Analysis) एवं निर्वचन (Interpretation) का अर्थ समझाइए।

उत्तर – विश्लेषण (Analysis) और निर्वचन/व्याख्या (Interpretation) वित्तीय विवरणों की एक व्यवस्थित और महत्त्वपूर्ण परीक्षा को सन्दर्भित करता है।यह न केवल वित्तीय विवरणों की विभिन्न मदों के बीच कारण और प्रभाव सम्बन्ध स्थापित करता है बल्कि वित्तीय डेटा को उचित तरीके से प्रस्तुत करता है।विश्लेषण से आशय वित्तीय विवरणों में दिए गए वित्तीय आँकड़ों का विधिवत वर्गीकरण द्वारा सरलीकरण करना है।

व्याख्या से आशय आँकड़ों के अर्थ एवं अभिप्राय स्पष्ट करने से है।इस प्रकार विश्लेषण और व्याख्या का मुख्य उद्देश्य वित्तीय डेटा को इस तरह से प्रस्तुत करना है जो आसानी से समझने योग्य और आत्म व्याख्यात्मक हो।यह न केवल लेखांकन उपयोगकर्ताओं को समय की अवधि में व्यवसाय के वित्तीय प्रदर्शन का आकलन करने में मदद करता है बल्कि उन्हें निर्णय लेने और नीति और वित्तीय डिजाइनिंग प्रक्रिया में भी सक्षम बनाता है।

प्रश्न 4 वित्तीय विश्लेषण का महत्त्व बताएँ।

उत्तर – वित्तीय विश्लेषण का विभिन्न मामलों पर विभिन्न लेखांकन उपयोगकर्ताओं के लिए बहुत महत्त्व है।लाभ व हानि विवरण, तुलन-पत्र और अन्य वित्तीय आँकड़े जो व्यय और आय के स्रोतों, लाभ-हानि के बारे में जानकारी प्रदान करता है और व्यवसाय की वित्तीय स्थिति का आँकलन करने में भी मदद करता है।वित्तीय आँकड़े तब तक उपयोगी नहीं होते जब तक उनका विश्लेषण नहीं

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

किया जाता है।अनुपात विश्लेषण, रोकड़ प्रवाह विवरण जैसे विभिन्न उपकरण हैं जो विभिन्न अकाउंटिंग उपयोगकर्ताओं की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय डेटा बनाते हैं ।निम्नलिखित कारण हैं जो वित्तीय विश्लेषण के पक्ष में वकालत करते हैं

- यह किसी व्यवसाय की लाभ कमाने की क्षमता और वित्तीय व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने में मदद करता है।
- यह व्यवसाय की दीर्घकालिक शोधन क्षमता का आँकलन करने में मदद करता है।
- यह अन्य प्रतिस्पर्धी फर्मों की तुलना में एक फर्म की सापेक्ष वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करने में मदद करता है।
- यह निर्णय लेने की प्रक्रिया, योजनाओं और एक प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में प्रबन्धन की सहायता करता है।

प्रश्न 5 तुलनात्मक वित्तीय विवरण क्या है?

उत्तर – तुलनात्मक वित्तीय विवरण (Comparative Financial Statements): वे वित्तीय विवरण जो दो अथवा अधिक समय की अवधि में अन्तर-फर्म और वित्तीय विवरणों की तुलना को सक्षम करते हैं, तुलनात्मक वित्तीय विवरण कहलाते हैं।दूसरे शब्दों में, ये विवरण लेखांकन उपयोगकर्ताओं को सापेक्ष रूप में वित्तीय प्रगति का मूल्यांकन और मूल्यांकन करने में मदद करते हैं।ये विवरण समय की अवधि में वित्तीय मदों में पूर्ण आँकड़े, पूर्ण परिवर्तन और प्रतिशत परिवर्तन व्यक्त करते हैं।

तुलनात्मक वित्तीय विवरण वित्तीय आँकड़ों को इस तरह से प्रस्तुत करते हैं जो आसानी से समझ में आता है और बिना किसी अस्पष्टता के विश्लेषण किया जा सकता है।यदि अध्ययन की अवधि के दौरान मदों के उपचार के लिए लेखांकन नीतियाँ और प्रथाएँ समान हैं, तभी तुलनात्मक वित्तीय विवरण सार्थक तुलना को सक्षम बनाता है।इन्हें क्षैतिज विश्लेषण के नाम से भी जाना जाता है।

निम्नलिखित दो तुलनात्मक वित्तीय विवरण हैं जो आमतौर पर तैयार किए जाते हैं:

- तुलनात्मक तुलन-पत्र।
- तुलनात्मक लाभ व हानि विवरण।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 6 समरूप विवरण से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर – समरूप विवरण (Common Size Statements): समरूप विवरण कुछ सामान्य मदों के साथ एक वित्तीय विवरण के विभिन्न मदों के बीच सम्बन्ध का संकेत देते हैं जिसमें सामान्य मद के प्रत्येक मद को प्रतिशत के रूप में व्यक्त करता है।इस प्रकार से परिकलित प्रतिशत को अन्य फर्मों के तदनुरूप प्रतिशत के साथ आसानी से तुलना की जा सकती है जैसा कि ये संख्याएँ सामान्य आधार अर्थात् प्रतिशत से लाई जाती हैं।इस प्रकार के विवरण एक विश्लेषक को एक ही उद्योग की भिन्न आकार की दो कम्पमियों की संचालन एवं वित्तीय विशिष्टताओं की तुलना करने की अनुमति देते हैं।सामान्य आकार के विवरण फर्म के विभिन्न वर्षों के बीच आन्तरिक तुलना और साथ ही साथ उसी वर्ष या अनेक वर्षों के लिए अन्तर फर्म की तुलना, दोनों ही, के लिए उपयोगी होते हैं।

इन कथनों पर आधारित विश्लेषणों को सामान्यतः लम्बवत् विश्लेषण के नाम से भी जाना जाता है।

अग्रलिखित दो समरूप विवरण प्रायः तैयार किए जाते है:

- समरूप तुलन-पत्र
- समरूप लाभ व हानि विवरण।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 वित्तीय विश्लेषण की विभिन्न तकनीकों का वर्णन कीजिए तथा वित्तीय विश्लेषणों की सीमाओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर – वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की तकनीकें (Tools of Analysis of Financial Statements): वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की सबसे महत्त्वपूर्ण तथा अधिक उपयोग की जाने वाली तकनीकें ये हैं

(1) तुलनात्मक विवरण (Comparative Statements): दो अथवा अधिक समयावधियों में एक फर्म की लाभप्रदता एवं वित्तीय स्थिति को तुलनात्मक रूप से दर्शाने वाले विवरण जिनसे कि दो या अधिक समयावधियों में फर्म की स्थिति का पता चलता है, तुलनात्मक विवरण कहलाते हैं।तुलनात्मक तुलन-पत्र और तुलनात्मक लाभ व हानि विवरण दो महत्त्वपूर्ण तुलनात्मक वित्तीय विवरण हैं ।वित्तीय आँकड़े केवल तभी तुलनात्मक होते हैं जब समान लेखांकन सिद्धान्त का प्रयोग

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इनके निर्माण में किया जाता है।यदि ऐसा नहीं है तो लेखांकन सिद्धान्तों से व्यतिक्रम को नीचे टिप्पणी के रूप में दर्शाया जाना चाहिए।तुलनात्मक आँकड़े वित्तीय स्थिति और प्रचालन परिणामों की प्रवृत्ति और दिशा को इंगित करते हैं।तुलनात्मक विश्लेषण को क्षैतिज विश्लेषण' के नाम से भी जाना जाता है।

(2) समरूप/सामान्य आकार विवरण (Common Size Statements): समरूप विवरण कुछ सामान्य मदों के साथ एक वित्तीय विवरण के विभिन्न मदों के बीच सम्बन्ध का संकेत देते हैं जिसमें सामान्य मद के प्रत्येक मद को प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है।इस प्रकार से परिकलित प्रतिशत को अन्य फर्मों के तद्वुरूप प्रतिशत के साथ आसानी से तुलना की जा सकती है।जैसा कि ये संख्याएँ सामान्य आधार अर्थात् प्रतिशत से लाई जाती हैं।इस प्रकार के विवरण एक विश्लेषक को एक ही उद्योग की भिन्न आकार की दो कम्पनियों की संचालन एवं वित्तीय विशिष्टताओं की तुलना करने की अनुमति देते हैं।सामान्य आकार के विवरण फर्म के विभिन्न वर्षों के बीच आन्तरिक तुलना और साथ ही साथ उसी वर्ष या अनेक वर्षों के लिए अन्तर फर्म की तुलना, दोनों ही, के लिए उपयोगी होते हैं ।इस विश्लेषण को 'अनुलम्ब विश्लेषणों के नाम से भी जाना जाता है।

(3) प्रवृत्ति विश्लेषण (Trend Analysis): एक व्यावसायिक उद्योग/उद्यम के पिछले वर्षों के आँकड़ों का उपयोग करते हुए, प्रवृत्ति का विश्लेषण चयनित आँकड़ों में एक अवधि के दौरान आए बदलावों का अवलोकन करके किया जा सकता है।प्रवृत्ति प्रतिशत एक प्रतिशत सम्बन्ध है जिसमें भिन्न वर्षों की प्रत्येक मद को आधार वर्ष की उसी समान मद के प्रतिशत के आधार पर निकाला जाता है।प्रवृत्ति विश्लेषण इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें दीर्घकालिक दृष्टिकोण होता है।अतः यह व्यवसाय की प्रकृति के आधारभूत बदलाव के बिन्दु को इंगित करता है।एक विशिष्ट अनुपात में एक प्रवृत्ति को देखकर, कोई व्यक्ति यह जान सकता है कि अनुपात गिर रहा है या बढ़ रहा है या लगातार सापेक्षिक तौर पर स्थिर है।इस अवलोकन से, समस्या का पता लगाया जा सकता है या अच्छे या बुरे प्रबन्धन के संकेत देखे जा सकते हैं।

(4) अनुपात विश्लेषण (Ratio Analysis): अनुपात विश्लेषण एक फर्म के तुलन-पत्र में तथा लाभ व हानि विवरण में विद्यमान महत्त्वपूर्ण सम्बन्धों का वर्णन करता है ।वित्तीय विश्लेषण की तकनीक के रूप में लेखांकन अनुपात आय एवं तुलन-पत्र की व्यक्तिगत मदों के बीच तुलनात्मक

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

महत्त्व को मापते हैं।यह भी सम्भव है कि अनुपात विश्लेषण की तकनीक से एक उद्यम की लाभप्रदता, ऋण शोधन क्षमता तथा सक्षमता को आँका जा सकता है।

(5) रोकड़ प्रवाह विश्लेषण (Cash Flow Analysis): रोकड़ प्रवाह विश्लेषण किसी संस्थान के रोकड़ के वास्तविक अन्तर्वाह एवं बहिर्वाह को दर्शाता है।एक व्यवसाय में आवक रोकड़ के बहाव को रोकड़ अन्तर्वाह या धनात्मक रोकड़ प्रवाह तथा फर्म से बाहर जाने वाले रोकड़ के बहाव को रोकड़ बहिर्वाह अथवा ऋणात्मक रोकड़ प्रवाह कहते हैं।रोकड़ के अन्तर्वाह एवं बहिर्वाह के बीच का अन्तर शुद्ध रोकड़ प्रवाह है।रोकड़ प्रवाह विवरण में प्राप्त रोकड़ का जो एक लेखांकन वर्ष के दौरान उपयोग की जाती है, रोकड़ प्राप्ति के स्रोतों का और इसके साथ ही वह उद्देश्य भी जिस हेतु रोकड़ भुगतान किया गया है, का उल्लेख किया जाता है।अत: यह एक उद्यम की रोकड़ स्थिति के बदलावों के लिए दो तुलनपत्र की तिथियों के बीच (रोकड़ स्थिति) के कारणों को संक्षेपीकृत करता है।

वित्तीय विश्लेषणों की सीमाएँ (Limitations of Financial Analysis): इनकी प्रमुख सीमाएँ निम्न प्रकार हैं:

- ये विश्लेषण वित्तीय विवरणों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित होते हैं। अतः वित्तीय विवरण विश्लेषण, वित्तीय विवरणों की सीमाओं से प्रभावित होते हैं।
- वित्तीय विश्लेषणों को निश्चित रूप से मूल्य स्तर में बदलावों, फर्म की लेखांकन नीति के बदलावों, लेखांकन अवधारणा तथा परम्पराओं एवं वैयक्तिक निर्णयों आदि के प्रभाव के बारे में सावधानीपूर्ण रहना चाहिए।
- वित्तीय विश्लेषण मूल्य स्तरीय बदलावों पर ध्यान नहीं देते हैं।
- वित्तीय विश्लेषण एक फर्म के खाते के लिए भ्रमात्मक भी हो सकते हैं अगर फर्म ने लेखांकन प्रक्रिया में बदलाव को अपना लिया है।
- वित्तीय विश्लेषण कम्पनी की रिपोर्ट का केवल अध्ययन है।
- वित्तीय विश्लेषण में केवल आर्थिक पहलू पर ही ध्यान दिया जाता है।जबकि गैर-आर्थिक पहलुओं को उपेक्षित किया जाता है।
- वित्तीय विश्लेषणों को फर्म की लेखांकन अवधारणाओं के आधार पर तैयार किया जाता है।अतः ये सटीक वस्तुस्थिति को नहीं प्रस्तुत करते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 2 एक कम्पनी की वित्तीय निष्पादन के निर्वचन में प्रवृत्ति प्रतिशत की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

उत्तर – प्रवृत्ति प्रतिशत (Trend Percentages): प्रवृत्ति प्रतिशतों की गणना प्रवृत्ति विश्लेषण के अन्तर्गत की जाती है।प्रवृत्ति विश्लेषण प्रत्येक वित्तीय मद को प्रत्येक वर्ष के प्रतिशत के रूप में प्रस्तुत करता है।ये रुझान विश्लेषण न केवल लेखांकन उपयोगकर्ताओं को व्यवसाय के वित्तीय प्रदर्शन का आकलन करने में मदद करते हैं बल्कि उन्हें विभिन्न प्रवृत्तियों के बारे में एक राय बनाने और व्यवसाय की भविष्य की प्रवृत्ति की भविष्यवाणी करने में भी सहायता करते हैं।

प्रवृत्ति विश्लेषण अथवा प्रवृत्ति प्रतिशत की उपयोगिता और महत्त्व: एक कम्पनी की वित्तीय निष्पादन के निर्वचन में प्रवृत्ति विश्लेषण अथवा प्रवृत्ति प्रतिशत की उपयोगिता निम्न प्रकार है।

- पूर्वानुमान लगाने में सहायता करता है: प्रवृत्ति विश्लेषण द्वारा प्रदान किए गए रुझान लेखांकन उपयोगकर्ताओं को व्यवसाय के भविष्य की प्रवृत्ति का पूर्वानुमान लगाने में मदद करते हैं।
- प्रतिशत में अभिव्यक्तिं: रुझान/प्रवृत्ति प्रतिशत के रूप में व्यक्त किए जाते हैं।प्रतिशत के आँकड़ों का विश्लेषण करना आसान है और कम समय लेने वाला भी।
- उपयोगकर्ता के अनुकूल: चूँकि रुझान प्रतिशत के आँकड़ों में व्यक्त किए जाते हैं, इसलिए कम्पनी के वित्तीय प्रदर्शन और परिचालन दक्षता का विश्लेषण करने के लिए यह सबसे लोकप्रिय वित्तीय विश्लेषण है।दूसरे शब्दों में, इन प्रतिशत प्रवृत्तियों का विश्लेषण करने के लिए किसी को लेखांकन का गहन और परिष्कृत ज्ञान होने की आवश्यकता नहीं हैं।
- व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करना: प्रवृत्ति विश्लेषण वित्तीय प्रदर्शन, व्यवहार्यता और व्यवसाय की प्रचालन क्षमता के बारे में एक व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करता है।आमतौर पर, कम्पनियाँ अपने वित्तीय डेटा को प्रतिशत प्रवृत्तियों के रूप में 5 या 10 वर्षों की अवधि के लिए प्रस्तुत करना पसन्द करती हैं, जबकि वित्तीय विश्लेषण की अन्य तकनीकों में इस लोकप्रियता का अभाव है।

प्रश्न 3 तुलनात्मक विवरण का क्या महत्त्व है? तुलनात्मक आय विवरण (लाभ व हानि का विवरण) का एक विशिष्ट सन्दर्भ देते हुए अपने उत्तर की व्याख्या करें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – तुलनात्मक विवरण (Comparative Statements): दो अथवा अधिक समयावधियों में एक फर्म की लाभप्रदता एवं वित्तीय स्थिति को तुलनात्मक रूप से दर्शाने वाले विवरण जिनसे कि दो या अधिक समयावधियों में फर्म की स्थिति का पता चलता है, तुलनात्मक विवरण कहलाते हैं ।यह सामान्यतः तुलनात्मक रूप से तुलन-पत्र और लाभ व हानि विवरण नामक दो महत्त्वपूर्ण वित्तीय विवरणों पर लागू होता है।

वित्तीय आँकड़े केवल तभी तुलनात्मक होते हैं जब समान लेखांकन सिद्धान्त का प्रयोग इनके निर्माण में किया जाता है।यदि ऐसा नहीं है तो लेखांकन सिद्धान्तों से व्यतिक्रम को पादटिप्पणी के रूप में दर्शाया जाना चाहिए।तुलनात्मक आँकड़े वित्तीय स्थिति और प्रचालन परिणामों की प्रवृत्ति और दिशा को इंगित करते हैं ।इस विश्लेषण को क्षैतिज विश्लेषण' के नाम से भी जाना जाता है।

तुलनात्मक विवरणों का महत्त्व निम्न प्रकार है:

(1) सरल प्रस्तुति: तुलनात्मक विवरण वित्तीय आँकड़ों को सरल रूप में प्रस्तुत करते हैं।इसके अलावा, समान मदों का वर्ष-वार आँकड़ा साथ-साथ प्रस्तुत किया जाता है, जो न केवल प्रस्तुति को स्पष्ट करता है बल्कि आसान तुलना (इंट्रा-फर्म और इंटर-फर्म दोनों) को निर्णायक बनाता है।[

(2) निष्कर्ष निकालने में आसान तुलनात्मक विवरण की प्रस्तुति इतनी प्रभावी है कि यह विश्लेषक को जल्दी और आसानी से निष्कर्ष निकालने में सक्षम बनाती है और वह भी बिना किसी अस्पष्टता के।

(3) पूर्वानुमान के लिए आसान: एक समयावधि में किसी व्यवसाय की लाभप्रदता और परिचालन दक्षता का तुलनात्मक विश्लेषण प्रवृत्ति का विश्लेषण करने में मदद करता है और प्रबन्धन को भविष्य की विभिन्न योजनाओं और नीतिगत उपायों के पूर्वानुमान और मसौदा तैयार करने में भी सहायता करता है।

(4) समस्याओं का आसानी से पता लगाना: दो या दो से अधिक वर्षों के वित्तीय आँकड़ों की तुलना करके वित्तीय प्रबन्धन आसानी से समस्याओं का पता लगा सकता है।आँकड़ों की तुलना करते समय, हो सकता है कि कुछ मदों में वृद्धि हुई हो जबकि अन्य में कमी या स्थिर बनी रही हो।तुलनात्मक विश्लेषण न केवल प्रबन्धन को समस्याओं का पता लगाने में सक्षम बनाता है बल्कि

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उन्हें यह जाँचने के लिए विभिन्न बजटीय नियंत्रण और सुधारात्मक उपाय करने में भी मदद करता है कि वर्तमान प्रदर्शन नियोजित लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं या नहीं।

तुलनात्मक लाभ - हानि विवरण: यह व्यवसाय की दो या दो से अधिक लेखा अवधियों में परिचालनात्मक परिव्ययों को दर्शाता है।इससे लाभ - हानि विवरण या आय विवरण की विभिन्न मदों में हुए परिवर्तनों (कमी या वृद्धि) की राशि तथा प्रतिशत परिवर्तन ज्ञात किये जा सकते हैं।इनकी गणना निम्न सूत्र द्वारा की जाती है

$$\text{आनुपातिक परिवर्तन (\%)} = \frac{\text{(D) निरपेक्ष परिवर्तन (कमी या वृद्धि)}}{\text{(B) आधार वर्ष की राशि}} \times 100$$

प्रश्न 4 वित्तीय विवरण के विश्लेषण एवं निर्वचन से आप क्या समझते हैं? उनके महत्त्व पर चर्चा करें।

उत्तर – वित्तीय विवरण का विश्लेषण एवं निर्वचन (Analysis and Interpretation of Financial Statements): वित्तीय विवरणों में दी गई वित्तीय सूचनाओं को सरलता से समझने हेतु तथा फर्म के संचालन सम्बन्धी निर्णयों को लेने के लिए विवेचनात्मक परीक्षण की प्रक्रिया को वित्तीय विवरण विश्लेषण कहते हैं।यह मूलभूत रूप से वित्तीय विवरण में दिए गए विभिन्न संख्याओं और तथ्यों के बीच सम्बन्धों का अध्ययन तथा व्याख्या है जिससे किसी भी फर्म की लाभप्रदता और प्रचालन कार्यक्षमता दृष्टिगत होती है जो वित्तीय स्थिति एवं भविष्य परिदृश्य के मूल्यांकन में सहायक होती हैं।

वित्तीय विश्लेषण' में विश्लेषण और व्याख्या दोनों का समावेश है।

- **विश्लेषण:** विश्लेषण से आशय वित्तीय विवरणों में दिए गए वित्तीय आँकड़ों का विधिवत वर्गीकरण द्वारा सरलीकरण करना है।
- **निर्वचन/व्याख्या:** इसका आशय आँकड़ों के अर्थ एवं अभिप्राय स्पष्ट करने से है।ये दोनों ही एक-दूसरे के पूरक हैं।विश्लेषण बिना व्याख्या अर्थहीन है और व्याख्या बिना विश्लेषण कठिन ही नहीं असम्भव है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विस्तृत रूप में, वित्तीय विवरणों का विश्लेषण एक निर्णायक प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य एक उपक्रम की भूतपूर्व और वर्तमान वित्तीय स्थिति और प्रचालन के परिणाम का आकलन करना है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य भविष्यकालीन परिस्थितियों के लिए सर्वोच्च अनुमान ज्ञात करना है।इसमें मुख्यतः वित्तीय विवरणों में दर्शाई गई सूचनाओं का पुनः समूहीकरण और व्याख्या का समावेश होता है जो व्यावसायिक इकाइयों की क्षमता और कमजोरियों पर प्रकाश डालता है, जो कि अन्य फर्मों से तुलना (अनुप्रस्थ व्याख्या) और फर्म की विभिन्न समयावधियों पर स्वयं का निष्पादन (समय श्रृंखला विश्लेषण) सम्बन्धी निर्णय लेने में सहायक हो सकते हैं।

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का महत्त्व(Significance of Analysis of Financial Statements):

वित्तीय विश्लेषण एक फर्म की वित्तीय सुदृढ़ता एवं कमजोरियों को पहचानने की प्रक्रिया है, जिसमें तुलन-पत्र/चिट्ठा तथा लाभ व हानि विवरण की मदों के बीच उचित सम्बन्धों को देखा जाता है।वित्तीय विश्लेषण फर्म के प्रबन्धन द्वारा या फर्म से बाहर के पक्षों द्वारा जैसे कि फर्म का स्वामी, व्यापारिक लेनदार, ऋणदाता, निवेशक, श्रम संगठन, विश्लेषक तथा अन्य द्वारा किया जा सकता है।विश्लेषण की प्रकृति, उपयोगकर्ता अर्थात् विश्लेषक के उद्देश्य पर आधारित होती है जो भिन्न-भिन्न हो सकती है।एक विश्लेषक द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली तकनीक आवश्यक नहीं है कि दूसरे विश्लेषक के उद्देश्य को पूरा करे,

क्योंकि विश्लेषक की रुचि में भिन्नता होती है।वित्तीय विश्लेषण विभिन्न उपयोगकर्ताओं के लिए निम्न प्रकार से उपयोगी एवं महत्त्वपूर्ण होता है:

(1) वित्त प्रबन्धक (Finance Manager): वित्त प्रबन्धक कम्पनी के प्रबंधकीय निष्पादन, निगम सक्षमता, वित्तीय सुदृढ़ता तथा कमजोरियों और कम्पनी की उधार पात्रता से सम्बन्धित तथ्यों एवं सम्बन्धों को जानना चाहता है।एक वित्त प्रबन्धक विश्लेषण के विभिन्न साधनों से सुसज्जित होना चाहिए ताकि फर्म के लिए विवेकपूर्ण निर्णय लिये जा सकें।विश्लेषण के साधन लेखांकन आँकड़ों के अध्ययन में सहायता करते हैं ताकि संचालन नीतियों की सततता, व्यवसाय का निवेश मूल्य, साख मान तथा संचालन की सक्षमता की जाँच का निर्धारण हो सके।ये तकनीकें वित्तीय नियंत्रण के क्षेत्रों तथा फर्म के लिए वास्तविक वित्तीय संचालन की निरन्तर समीक्षा में सक्षम बनाने हेतु समान

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

रूप से महत्त्वपूर्ण होती हैं ।इसके साथ ही प्रमुख विचलनों के कारणों को विश्लेषित करने में सहायक होती हैं जिसके परिणामस्वरूप जब कभी संकेत मिलते हैं तो सुधारात्मक कार्यवाही की जाती है।

(2) उच्च प्रबन्धन (Top Management): वित्तीय विश्लेषणों का परिक्षेत्र व्यापक है जिसके अन्तर्गत सामान्यतः उच्च प्रबन्धन तथा अन्य कार्यात्मक प्रबंधक शामिल होते हैं।फर्म का प्रबन्धन वित्तीय विश्लेषण के प्रत्येक पहलू में रुचि दिखा सकता है।यह कुल मिलाकर उनकी ही जिम्मेदारी होती है कि वे देखें कि फर्म के संसाधनों को अधिकतम सक्षमता के साथ इस्तेमाल किया जाए ताकि फर्म की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ रहे।वित्तीय विश्लेषण प्रबन्धन की सफलता को . मापने में सहायता करते हैं।ये कम्पनी के संचालन, वैयक्तिक निष्पादन, मूल्यांकन तथा आन्तरिक नियंत्रण की व्यवस्था के आकलन में सहायता करते हैं।

(3) व्यापारिक देय (Trade Payables): व्यापारिक देय, वित्तीय विवरणों के विश्लेषण द्वारा न केवल कम्पनी की अल्पकालीन दायित्व भुगतान क्षमता का मूल्यांकन करते हैं, बल्कि एक समय विशेष पर उसकी वित्तीय देयताओं को पूरा करने की क्षमता के साथ-साथ भविष्य में सतत् रूप से वित्तीय देयताओं को पूरा करने की सम्भावना को भी देखते हैं।व्यापारिक देय एक फर्म की क्षमता में विशेष रूप से रुचि रखते हैं जो एक बहुत छोटी-सी अवधि में उनके दावे को पूरा करने की क्षमता रखती है।इस प्रकार से, उनका विश्लेषण फर्म की द्रवता स्थिति के मूल्यांकन को सुनिश्चित करता है।

(4) ऋणदाता (Lenders): दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध कराने वाले फर्म की दीर्घकालिक ऋण शोधन क्षमता एवं उत्तरजीविता से चिन्तित होते हैं।यह एक विशेष समयावधि के दौरान फर्म की लाभप्रदता, ब्याज तथा मूलधन को चुकाने के लिए रोकड पैदा करने की क्षमता तथा विभिन्न निधियों के स्रोतों (पूँजी संरचना सम्बन्धों) के मध्य सम्बन्धों का विश्लेषण करते हैं।दीर्घकालिक ऋणदाता ऐतिहासिक वित्तीय विवरणों का विश्लेषण करते हैं, ताकि वे अपने भविष्य की ऋण शोधन क्षमता एवं लाभप्रदता की जाँच कर सकें।अतः इनके लिए भी वित्तीय विश्लेषण का बहुत महत्त्व है।

(5) निवेशक (Investors): निवेशकों के लिए भी वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का बहुत महत्त्व है।वे फर्म की वर्तमान एवं भावी लाभप्रदता के बारे में विश्लेषण करते हैं।इसके साथ ही फर्म के पूँजी ढाँचे में रुचि रखते हैं ताकि वे फर्म के अर्जन एवं जोखिमों पर इसके प्रभाव के बारे में जान सकें

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

।अंशधारक या निवेशक प्रबन्धन की सक्षमता का मूल्यांकन भी करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि बदलाव की जरूरत है या नहीं।

(6) श्रम संगठन (Labour Unions): श्रम संगठन वित्तीय विवरणों का विश्लेषण यह जानने के लिए करते हैं कि क्या कम्पनी वर्तमान में मजदूरी में बढ़ोतरी वहन कर सकती है या नहीं या फिर उत्पादकता बढ़ाकर तथा कीमत ऊँची करके बढ़ी हुई मजदूरी को समाहित कर सकती है या नहीं।

(7) अन्य (Others): उक्त के अलावा अर्थशास्त्री, अनुसंधानकर्ता आदि भी वित्तीय विवरणों का विश्लेषण वर्तमान व्यवसाय तथा आर्थिक स्थितियों के बारे में अध्ययन करने के लिए करते हैं।सरकारी संस्थाओं को भी मूल्य नियमन, दर निर्धारण तथा अन्य ऐसे ही उद्देश्यों के लिए वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 5 समरूप विवरणों को कैसे तैयार करते हैं? उदाहरण देकर बताइए।

उत्तर – समरूप/समानाकार वित्तीय विवरण (Common Size Financial Statements): वित्तीय समंकों को लम्बवत् प्रतिशतों के रूप में दिखाने वाले वित्तीय विवरण समानाकार विवरण कहलाते हैं।इनके अन्तर्गत चिट्ठा एवं लाभ-हानि खाता (या आय विवरण) की प्रत्येक मद की राशि लिखकर तत्पश्चात् उन राशियों को एक प्रमुख राशि अंक (यथा व्यावसायिक क्रियाओं से आय अथवा कुल सम्पत्तियों, कुल दायित्वों) के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है।इससे तुलना के लिए सर्वश्रेष्ठ आधार तैयार हो जाता है।ये विवरण एक वर्ष, दो वर्ष या दो से अधिक वर्षों के लिए बनाये जा सकते हैं।इनका उपयोग सामान्यतः अन्तरफर्म तुलना तथा अन्तःफर्म तुलना में किया जाता है।

समरूप अथवा सामान्य आकार विवरण को तैयार करने के लिए निम्न प्रक्रिया अपनायी जा सकती है:

- परिशुद्ध संख्याओं (आँकड़ों) को दो समय बिन्दुओं जैसे कि वर्ष 1 और वर्ष 2 अथवा पूर्व वर्ष (Previous year) तथा चालू वर्ष (Current year) के अनुसार कॉलम 2 तथा 3 पर सूचीबद्ध करें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- एक सामान्य आधार (जैसे कि 100) को चुनें।उदाहरणार्थ लाभ व हानि विवरण के मामले में प्रचालन से आगम को आधार (100) के रूप में और तुलन-पत्र के मामले में कुल परिसम्पत्तियों अथवा कुल देनदारियों को आधार (= 100) के रूप में ले सकते हैं।
- स्तम्भ 2 एवं 3 की सभी मदों को कुल योग के प्रतिशत के रूप में बदलें और इसे स्तम्भ 4 और 5 पर सूचीबद्ध करें।

समरूप/समानाकार विवरण का प्रारूप निम्न प्रकार हैं।

Common Size Statement:

Particulars	Year one Previous year	Year two Current year	Percentage of year 1/ Previous year	Percentage of year 2 / Current year
1	2	3	4	5
	₹	₹	%	%

संख्यात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1 मार्च 31, 2016 और 2017 को अल्फा लिमिटेड का तुलन-पत्र इस प्रकार था।तुलनात्मक तुलनपत्र तैयार करें।

विवरण (Particulars)	मार्च 31, 2016 (Mar. 31, 2016) ₹	मार्च 31, 2017 (Mar. 31, 2017) ₹

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

I. समता एवं देयताएँ (Equity and Liabilities) :		
1. अंशधारक निधि (Shareholders' Funds)		
(अ) अंश पूँजी (Share Capital)	2,00,000	4,00,000
(ब) संचय एवं अधिशेष (Reserve and Surplus)	1,00,000	1,50,000
2. गैर-चालू देयताएँ (Non-Current Liabilities)		
(अ) दीर्घकालीन देयताएँ (Long-term Borrowings)	2,00,000	3,00,000
3. चालू देयताएँ (Current Liabilities)		
(अ) लघुकालीन देयताएँ (Short-term Borrowings)	50,000	70,000
(ब) लेनदार (Trade Payables)	30,000	60,000
(स) अन्य चालू देयताएँ (Other Current Liabilities)	20,000	30,000
(द) लघुकालीन प्रावधान (Short-term Provisions)	20,000	10,000
कुल योग (Total)	**6,20,000**	**10,20,000**
II. परिसम्पत्तियाँ (Assets) :		
1. गैर-चालू परिसम्पत्तियाँ (Non-Current Assets)		
(अ) स्थिर परिसम्पत्तियाँ (Fixed Assets)	2,00,000	5,00,000
(ब) गैर चाल विनियोग (Non-Current Investments)	1,00,000	1,25,000
2. चालू परिसम्पत्तियाँ (Current Assets)		
(अ) चालू विनियोग (Current Assets)	60,000	80,000
(ब) रहतिया (Inventories)	1,35,000	1,55,000
(स) देनदार (Trade Receivables)	60,000	90,000
(द) नकद एवं नकद समतुल्य (Cash and Cash Equivalents)	25,000	10,000
(य) लघुकालीन ऋण एवं अग्रिम राशि (Short-term Loans & Advances)	40,000	60,000
कुल योग (Total)	**6,20,000**	**10,20,000**

उत्तर –

Comparative Balance Sheet of Alpha Limited
as at March 31, 2016 and March 31, 2017

Particulars	March 31, 2016 ₹	March 31, 2017 ₹	Absolute Increase (+) or Decrease (–) ₹	Percentage Increase (+) or Decrease (–) %
I. EQUITY AND LIABILITIES :				
(1) Shareholders' Funds :				
(a) Share Capital	2,00,000	4,00,000	2,00,000	100
(b) Reserve and Surplus	1,00,000	1,50,000	50,000	50
(2) Non-Current Liabilities :				
(a) Long-term Borrowings	2,00,000	3,00,000	1,00,000	50

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(3) Current Liabilities :				
(a) Short-term Borrowings	50,000	70,000	20,000	40
(b) Trade Payables	30,000	60,000	30,000	100
(c) Other Current Liabilities	20,000	30,000	10,000	50
(d) Short-term Provisions	20,000	10,000	(10,000)	(50)
Total	**6,20,000**	**10,20,000**	**4,00,000**	**64.52**
II. ASSETS :				
(1) Non-Current Assets :				
(a) Fixed Assets	2,00,000	5,00,000	3,00,000	150
(b) Non-Current Investments	1,00,000	1,25,000	25,000	25
(2) Current Assets :				
(a) Current Investments	60,000	80,000	20,000	33.33
(b) Inventories	1,35,000	1,55,000	20,000	14.81
(c) Trade Receivables	60,000	90,000	30,000	50
(d) Cash and Cash Equivalents	25,000	10,000	(15,000)	(60)
(e) Short-term Loans and Advances	40,000	60,000	20,000	50
Total	**6,20,000**	**10,20,000**	**4,00,000**	**64.52**

प्रश्न 2 मार्च 31, 2016 और 2017 को बीटा लिमिटेड का तुलन-पत्र इस प्रकार था। तुलनात्मक तुलन-पत्र तैयार करें।

विवरण (Particulars)	मार्च 31, 2016 (Mar. 31, 2016) ₹	मार्च 31, 2017 (Mar. 31, 2017) ₹
I. समता एवं देयताएँ (Equity and Liabilities) :		
1. अंशधारक निधि (Shareholders' Funds)		
(अ) अंश पूँजी (Share Capital)	4,00,000	3,00,000
(ब) संचय एवं अधिशेष (Reserves and Surplus)	1,50,000	1,00,000
2. गैर-चालू देयताएँ (Non-Current Liabilities)		
(अ) दीर्घकालीन देयताएँ ((IDBI) [Long-term Borrowings (IDBI)]	3,00,000	1,00,000
3. चालू देयताएँ (Current Liabilities)		
(अ) लघुकालीन देयताएँ (Short-term Borrowings)	70,000	50,000
(ब) लेनदार (Trade Payables)	60,000	30,000
(स) अन्य चालू देयताएँ (Other Current Liabilities)	1,10,000	1,00,000
(द) लघुकालीन प्रावधान (Short-term Provisions)	10,000	20,000
कुल योग (Total)	**11,00,000**	**7,000,000**
II. परिसम्पत्तियाँ (Assets) :		
1. गैर-चालू परिसम्पत्तियाँ (Non-Current Assets)		

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(अ) स्थिर परिसम्पत्तियाँ (Fixed Assets)	4,00,000	2,20,000
(ब) गैर चालू विनियोग (Non-Current Investments)	2,25,000	1,00,000
2. चालू परिसम्पत्तियाँ (Current Assets)		
(अ) चालू विनियोग (Current Investments)	80,000	60,000
(ब) रहतिया (Inventories)	1,05,000	90,000
(स) देनदार (Trade Receivables)	90,000	60,000
(द) नकद एवं नकद समतुल्य (Cash and Cash Equivalents)	1,00,000	85,000
(य) लघुकालीन ऋण एवं अग्रिम राशि (Short-term Loans & Advances)	1,00,000	85,000
कुल योग (Total)	**11,00,000**	**7,000,000**

उत्तर – Comparative Balance Sheet of Beta Limited as at March 31, 2016 and March 31, 2017:

Particulars	March 31, 2016 ₹	March 31, 2017 ₹	Absolute Increase (+) or Decrease (–) ₹	Percentage Increase (+) or Decrease (–) %
I. EQUITY AND LIABILITIES :				
(1) Shareholders' Funds :				
(a) Share Capital	4,00,000	3,00,000	(1,00,000)	(25)
(b) Reserves and Surplus	1,50,000	1,00,000	(50,000)	(33.33)
(2) Non-Current Liabilities :				
(a) Long-term Borrowings	3,00,000	1,00,000	(2,00,000)	(66.67)
(3) Current Liabilities :				
(a) Short-term Borrowings	70,000	50,000	(20,000)	(28.57)
(b) Trade Payables	60,000	30,000	(30,000)	(50)
(c) Other Current Liabilities	1,10,000	1,00,000	(10,000)	(9.09)
(d) Short-term Provisions	10,000	20,000	10,000	100
Total	**11,00,000**	**7,00,000**	**4,00,000**	**36.36**
II. ASSETS :				
(1) Non-Current Assets :				
(a) Fixed Assets	4,00,000	2,20,000	(1,80,000)	(45)
(b) Non-Current Investments	2,25,000	1,00,000	(1,25,000)	(55.56)
(2) Current Assets :				
(a) Current Investments	80,000	60,000	(20,000)	(25)
(b) Inventories	1,05,000	90,000	(15,000)	(14.29)
(c) Trade Receivables	90,000	60,000	(30,000)	(33.33)
(d) Cash and Cash Equivalents	1,00,000	85,000	(15,000)	(15)
(e) Short-term Loans and Advances	1,00,000	85,000	(15,000)	(15)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Total	**11,00,000**	**7,00,000**	**4,00,000**	**36.36**

प्रश्न 3 निम्नलिखित सूचना से तुलनात्मक लाभ एवं हानि विवरण तैयार करें:

विवरण (Particulars)	2016 - 17₹	2015 - 2016₹
बाहरी मालभाड़ा (Freight Outward)	20,000	10,000
मजदूरी (कार्यालय) [Wages (Office)]	10,000	5,000
विनिर्माण व्यय (Manufacturing Expenses)	50,000	20,000
रहतिया समायोजन (Stóck Adjustment)	(60,000)	30,000
रोकड़ क्रय (Cash Purchases)	80,000	60,000
उधार क्रय (Credit Purchases)	60,000	20,000
आन्तरिक वापसी (Return Inward)	8,000	4,000
सकल लाभ (Gross Profit)	(30,000)	90,000
बाहरी ढुलाई (Carriage Outward)	20,000	10,000
मशीनरी (Machinery)	3,00,000	2,00,000
मशीनरी पर 10% ह्रास (10% Depreciation on Machinery)	10,000	5,000
अल्पकालीन ऋण पर ब्याज (Interest on Short-term Loans)	20,000	20,000
10% ऋणपत्र (10% Debentures)	20,000	10,000
फर्नीचर के विक्रय से लाभ (Profit on Sale of Furniture)	20,000	10,000
कार्यालय की कार के विक्रय पर हानि (Loss on Sale of Office Car)	90,000	60,000
कर की दर (Tax Rate)	40 %	50%

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर – Comparative Statement of Profit and Loss for the year ended March 31, 2016 and March 31, 2017:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Particulars	2015-16 ₹	2016-17 ₹	Absolute Increase (+) or Decrease (–) ₹	Percentage Increase (+) or Decrease (–) %
I. Revenue from Operations	2,16,000	92,000	(1,24,000)	(57.40)
II. Other Income	10,000	20,000	10,000	100
III. Total Revenue (I + II)	2,26,000	1,12,000	(1,14,000)	50.44
IV. **Expenses** :				
(a) Purchase of Stock in Trade	80,000	1,40,000	60,000	75
(b) Change in Inventories	30,000	(60,000)	(90,000)	(300)
(c) Employee Benefit Expenses	5,000	10,000	5,000	100
(d) Finance Costs	21,000	22,000	1,000	4.54
(e) Depreciation and Amortisation Expenses	5,000	10,000	5,000	100
(f) Other Expenses	80,000	1,30,000	50,000	62.50
Total Expenses	2,21,000	2,52,000	31,000	14.03
V. Profit before Tax (III – IV)	5,000	(1,40,000)	(1,45,000)	(2,900.00)
Less : Income Tax	2,500	—	(2,500)	(100.00)
VI. Profit after Tax	2,500	(1,40,000)	(1,42,000)	(5,700.00)

Working Notes :

(1) Calculation of Revenue from Operation (प्रचालन से आगम की गणना):

Revenue from Operations = Cost of Goods Sold + Gross Profit - Sales Return)

Or

(Purchases + Manufacturing Expenses + Change in Inventory + Gross Profit - Sales Return)

Revenue from Operations (2015 - 16) = 80,000 + 20,000 + 30,000 + 90,000 - 4,000 = ₹ 2,16,000

Revenue from Operations (2016 - 17) = 1,40,000 + 50,000 - 60,000 - 30,000 - 8,000 = ₹ 92,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(2) Calculation of Finance Cost (वित्तीय लागत की गणना):

Finance Cost = Interest on Short-term Loans + Interest on 10% Debentures

वित्तीय लागत = अल्पकालीन ऋण पर ब्याज + 10% ऋणपत्र पर ब्याज

2015 - 16 = 20,000 + 1,000 = ₹ 21,000

2016 - 17 = 2000 + 2,000 = ₹ 22,000

(3) Calculation of Other Expenses (अन्य व्ययों की गणना):

Other Expenses = Freight Outward + Carriage Outward + Loss on Sale of Office Car

अन्य खर्चे = बाहरी ढुलाई + बाहरी मालभाड़ा + कार्यालय की कार के विक्रय पर हानि

2015 - 16 = 10,000 + 10,000 + 60,000 = ₹ 80,000

2016 - 17 = 20,000 + 20,000 + 90,000 = ₹ 1,30,000

प्रश्न 4 निम्न सूचनाओं से तुलनात्मक लाभ व हानि विवरण तैयार कीजिए:

विवरण (Particulars)	2016 - 17 ₹	2015 - 2016 ₹
विनिर्माण व्यय (Manufacturing Expenses)	35,000 30,000 9,60,000 4,000 (उधार क्रय में से)	80,000
आरम्भिक रहतिया (Opening Stock)	150% आरम्भिक रहतिये का	अन्तिम रहतिया का60%
विक्रय (Sales)	1,50,000	4,50,000
बाह्य वापसी (Returns Outward)	80% उधार क्रय का	6,000 (नकद क्रय में से)
अन्तिम रहतिया (Closing Stock)	10,000	1,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उधार क्रय (Credit Purchases)	1,00,000	150% नकद क्रय का
रोकड़ क्रय (Cash Purchases)	20%	40,000
बाहरी ढुलाई (Carriage Outward)	5,000	30,000
भवन (Building)	2,00,000	2,00,000
भवन पर ह्रास (Depreciation on Building)	10,000	10%
बैंक अधिविकर्ष पर ब्याज (Interest on Bank	10,000	2,00,000
Overdraft)	20,000	20,000
10% ऋणपत्र (10% Debentures)	50%	20,000
कॉपीराइट के विक्रय से लाभ (Profit on Sale of	35,000 30,000 9,60,000 4,000 (उधार क्रय में से)	10,000
Copyright)	150% आरम्भिक रहतिये का	40%
व्यक्तिगत कार के विक्रय से हानि (Loss on Sale of Personal Car)	1,50,000	80,000

उत्तर – Comparative Statement of Profit and Loss for the year ended March 31, 2016 and March 31, 2017:

Particulars	2015-16 ₹	2016-17 ₹	Absolute change increase or decrease ₹	Percentage change increase or decrease %
I. Revenue from Operations	9,60,000	4,50,000	(5,10,000)	(53.13)
II. Other Income	10,000	20,000	10,000	100
III. Total Revenue (I + II)	9,70,000	4,70,000	(5,00,000)	51.55
IV. Expenses				
(a) Purchases of Stock in Trade	2,66,000	94,000	(1,72,000)	(64.70)
(b) Change in Inventories	(15,000)	(40,000)	(25,000)	(166.67)
(c) Finance Costs	25,000	20,000	(5,000)	(20)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

	(d) Depreciation and Amortisation Expenses	20,000	20,000	—	—
	(e) Other Expenses	30,000	40,000	10,000	33.33
	Total Expenses	3,26,000	1,34,000	(1,92,000)	58.9
V.	Profit before Tax (III – IV)	6,44,000	3,36,000	(3,08,000)	47.83
	(–) Income Tax	(3,22,000)	(1,34,400)	(1,87,600)	58.26
VI.	Profit after Tax	3,22,000	2,01,600	1,20,400	37.39

Working Notes:

(1) Cálculation of Net Purchases and Change in Inventory:

Net Purchases of Stock in Trade = Cash Purchases + Credit Purchases - Purchases Return

For 2015 - 16 = 80% of 1,50,000

i.e., 1,20,000 + 1,50,000 - 4,000 = 72,66,000

For 2016 - 17 = 40,000 + 150% of 40,000

i.e., 60,000 - 6,000 = 394,000

Change in Inventory = Opening Stock - Closing Stock

For 2015 - 16 = 30,000 - 45,000 (150% of Opening Stock) = (15,000)

For 2016 - 17 = 60,000 (60% of Closing Stock) - 1,00,000 = (40,000)

(2) Calculation of Finance Cost:

Finance Cost = Interest on Bank Overdraft + Interest on Debentures

For 2015 - 16 = 5,000 + 20,000 = 25,000

For 2016 - 17 = 0 + 20,000 = 20,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(3) Calculation of Other Expenses:

Other Expenses = Carriage Outward + Other Operating Expenses

For 2015 - 16 = 10,000 + 20,000 = 30,000

For 2016 - 17 = 30,000 + 10,000 = 40,000

प्रश्न 5 निम्नलिखित सूचनाओं से शैफाली लि. का समरूप लाभ व हानि विवरण तैयार कीजिए:

विवरण (Particulars)	2016 - 17 ₹	2015 - 2016 ₹
प्रचालन से आगम (Revenue from Operations)	6,00,000	8,00,000
अप्रत्यक्ष व्यय (Indirect Expenses)	सकल लाभ का 25%	सकल लाभ का 25%
प्रचालन से आगम की लागत (Cost of Revenue from Operations)	4,28,000	7,28,000
अन्य आय (Other Incomes)	10,000	12,000
आयकर (Income Tax)	30%	30%

उत्तर – Common Size Statement of Profit and Loss for the year ended March 31, 2016 and March 31, 2017:

Particulars	Absolute Amount		Percentage of Revenue from Operations	
	2015-16 ₹	2016-17 ₹	2016	2017
I. Revenue from Operations	6,00,000	8,00,000	100	100
II. Other Income	10,000	12,000	1.67	1.5
III. Total Revenue (I + II)	6,10,000	8,12,000	101.67	101.5
IV. **Expenses :**				
(a) Cost of Revenue from Operations (COGS)	4,28,000	7,28,000	71.33	91
(b) Other Expenses	43,000	18,000	7.17	2.25

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

	Total Expenses	4,71,000	7,46,000	78.5	93.25
V.	Profit before Tax (III – IV)	1,39,000	66,000	23.17	8.25
	Léss : Income Tax	(41,700)	(19,800)	(6.95)	(2.47)
		97,300	46,200	16.22	5.77

Working Note:

(1) Calculation of Other Expenses:

Other Expenses = Indirect Expenses = 25% of Gross Profit

अन्य खर्चे = अप्रत्यक्ष व्यय = सकल लाभ का 25%

Gross Profit = Revenue from Operations - Cost of Revenue from Operations

∴ 2015 - 16 Gross Profit = 6,00,000 - 4,28,000 = ₹ 1,72,000

2016 - 17 Gross Profit = 8,00,000 - 7,28,000 = ₹ 72,000

अतः अन्य खर्चे (Other Expenses):

2015 - 16 = 1,72,000 x 25% = ₹ 43,000

2016 - 17 = 72,000 x 25% = ₹ 18,000

प्रश्न 6 निम्नलिखित सूचनाओं से आदित्य लि. एवं अंजलि लि. के समरूप तुलन-पत्र विवरण तैयार करें:

विवरण (Particulars)	आदित्य लि. (Aditya Ltd.) ₹	अंजलि लि. (Anjali Ltd.) ₹
I. समता एवं देयताएँ (Equity and Liabilities) :		
1. अंशधारक निधि (Shareholders' Funds)		
(क) समता अंश पूँजी (Equity Share Capital)	6,00,000	8,00,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष (Reserves and Surplus)	3,00,000	2,50,000
2. चालू देयताएँ (Current Liabilities)	1,00,000	1,50,000
योग (Total)	**10,00,000**	**12,00,000**

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

II. परिसम्पत्तियाँ (Assets) :		
1. गैर-चालू परिसम्पत्तियाँ (Non-Current Assets)		
(क) स्थायी परिसम्पत्तियाँ (Fixed Assets)	4,00,000	7,00,000
2. चालू परिसम्पत्तियाँ (Current Assets)	6,00,000	5,00,000
योग (Total)	**10,00,000**	**12,00,000**

उत्तर – Common Size Balance Sheet of Aditya Limited and Anjali Limited:

Particulars	Absolute Amount		Percentage of Balance Sheet Total	
	Aditya Ltd. ₹	Anjali Ltd. ₹	Aditya Ltd. (%)	Anjali Ltd. (%)
I. EQUITY AND LIABILITIES :				
(1) Shareholders' Funds :				
(a) Equity Share Capital	6,00,000	8,00,000	60.00	66.67
(b) Reserve and Surplus	3,00,000	2,50,000	30.00	20.83
(2) Current Liabilities	1,00,000	1,50,000	10.00	12.50
Total	**10,00,000**	**12,00,000**	**100.00**	**100.00**
II. ASSETS :				
(1) Non-Current Assets :				
(a) Fixed Assets	4,00,000	7,00,000	40.00	58.33
(2) Current Assets	6,00,000	5,00,000	60.00	41.67
Total	**10,00,000**	**12,00,000**	**100.00**	**100.00**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)